अवध-विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक—: एकचत्वारिंशत्(41) पुष्प, जून 2025

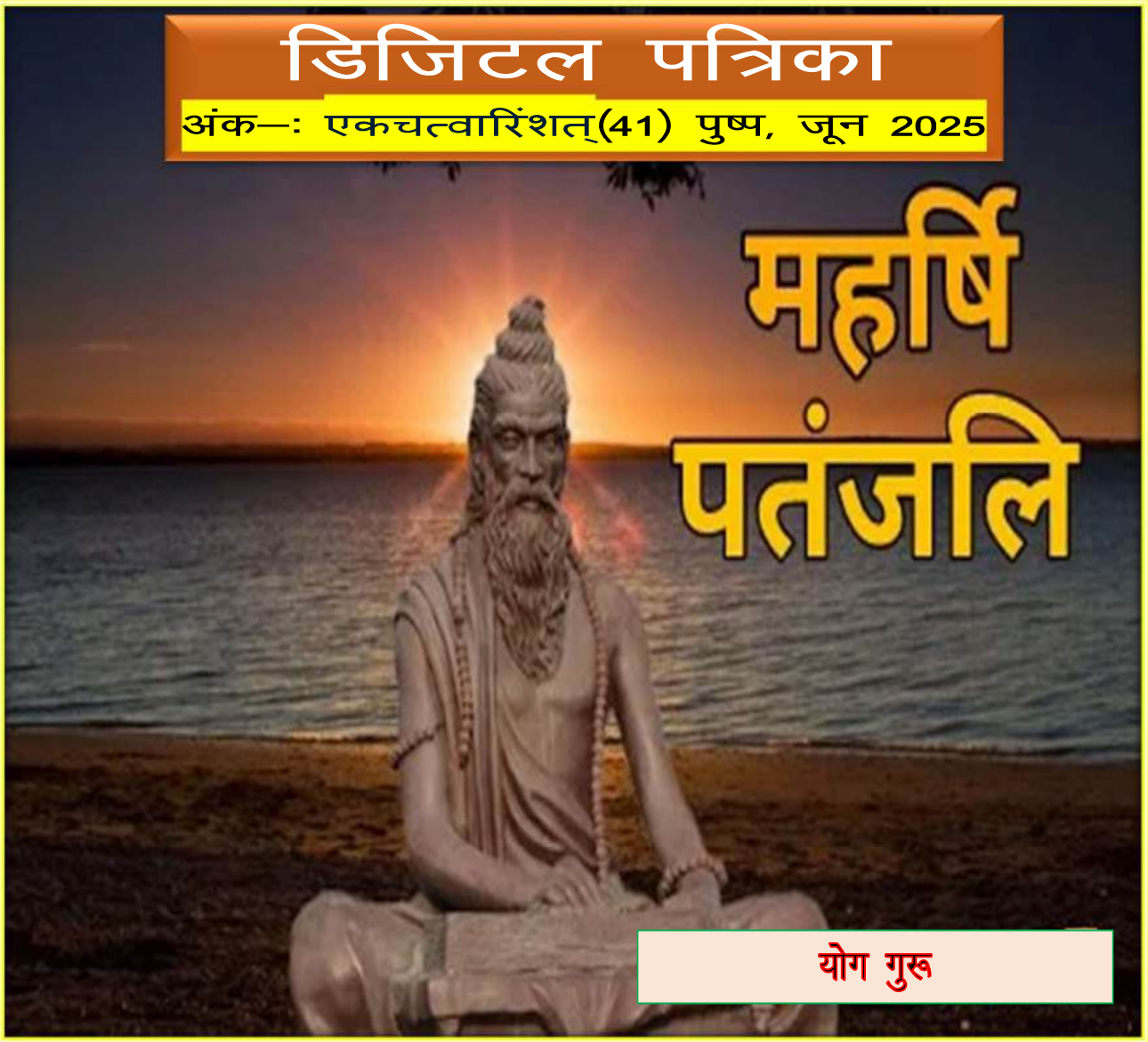

योग गुरू

प्रकाशक
भारतीय शिक्षा समिति उ०प्र०
अवध प्रान्त
सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक
सुनील कुमार सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख (भारतीय शिक्षा समिति,उ.प्र.)
मो. 9451139239, E-mail:- awadhpacher@gmail.com

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्री देवेन्द्र कुमार शुक्ल
प्रधानाचार्य
स.वि.म.इ.का.
रामसनेही घाट—बाराबंकी

विशेष सहयोग

श्री बीरेन्द्र वर्मा
प्रान्त संवाददाता प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

श्री जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

कम्प्यूटर ग्राफिक्स व डिजाइनिंग
श्री अमरदीप श्रीवास्तव
स.शि.म.इ.का.
फतेहपुर— बाराबंकी

सम्पादक की कलम से

विश्व योग दिवस – न केवल एक तिथि, बल्कि एक पुकार; हमारे अंतर्मन की, हमारी थकी हुई देह की, और उस आत्मा की जो शांति की बाट जोहती है। यह दिवस हमें उस सनातन परंपरा की याद दिलाता है, जिसने भारत की धरती से जन्म लेकर समूचे विश्व को संतुलन और स्वास्थ्य का मंत्र दिया है – योग।

योग केवल व्यायाम नहीं, यह जीवन जीने की कला है। यह वह सेतु है जो शरीर, मन और आत्मा को जोड़ता है। जब सांस की लय चित्त को स्पर्श करती है, तो भीतर की अशांति भी मौन हो जाती है। योग हमें न केवल लचीलापन देता है, बल्कि धैर्य, अनुशासन और आंतरिक बल भी प्रदान करता है।

इस वर्ष की थीम – "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य" – हमें स्मरण कराती है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य और प्रकृति का संतुलन एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं। जब हम योग करते हैं, तो न केवल स्वयं के प्रति, बल्कि इस धरती माता के प्रति भी एक नई ज़िम्मेदारी का अनुभव करते हैं। योग हमें पर्यावरण से जुड़ने, प्रकृति की लय में जीने और जीवन को एक समग्र अनुभव के रूप में समझने का मार्ग दिखाता है।

हमारे समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है – भीतर की शांति। योग उसी शांति का प्रवेश द्वार है। इसलिए आज, इस योग दिवस पर, आइए एक संकल्प लें – कि हम योग को केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएँगे। सुबह की पहली सांस हो या दिन की भागदौड़, योग हर क्षण को सजग और सार्थक बना सकता है।

प्रिय पाठकों, आइए, इस विश्व योग दिवस को एक आत्मिक आरंभ बनाएं। योग को अपनाकर हम न केवल स्वयं को, बल्कि अपने परिवेश को भी स्वस्थ और सौम्य बना सकते हैं। जीवन में थोड़ी सी नियमितता, कुछ सजग साँसें, और एक शांत चित्त – यही तो है सच्चा सुख, और यही है योग का संदेश।

(सुनील कुमार सिंह)
प्रधान सम्पादक
सरस्वती शिशु मन्दिर इण्टर कालेज
फतेहपुर– बाराबंकी

रायबरेली संकुल

प्रधानाचार्य पुनश्चर्या वर्ग

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रायबरेली में आयोजित 10 दिवसीय प्रधानाचार्य पुंस्चर्या वर्ग में विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री, आदरणीय हेमचंद जी के प्रेरणादायक उद्बोधन से ओत-प्रोत रहा। उन्होंने 'पंचकोष' की अवधारणा पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया, जो छात्रों सर्वांगीण विकास के लिए विद्या भारती के मूल दर्शन को दर्शाता हैं कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से मां सरस्वती के सम्मुख दीपार्चन, पुष्पर्चन एवं वंदन से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

अपने उद्बोधन में, आदरणीय क्षेत्रीय संगठन मंत्री जी ने बालक के सर्वांगीण समग्र विकास की कल्पना पर गहन चर्चा की। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अकादमिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें विद्यार्थियों के सभी पहलुओं का विकास शामिल है। इसी कड़ी में, उन्होंने पंचकोष की अवधारणा को विस्तार से समझाया। पंचकोष, भारतीय दर्शन का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है जो मानव अस्तित्व के पांच आयामों (अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष और आनंदमय कोष) को दर्शाता है। हेमचंद जी ने बताया कि किस प्रकार इन पांचों कोषों का संतुलन और विकास एक स्वस्थ, सुखी और पूर्ण व्यक्ति के निर्माण के लिए आवश्यक है।

अम्बेड़कर नगर संकुल

एकदिवसीय सेवक-सेविका विकास वर्ग

विद्या भारती द्वारा संचालित विवेकानन्द शिशुकुंज इण्टर कॉलेज विद्युत नगर में प्रान्तीय योजनानुसार एकदिवसीय सेवक-सेविका विकास वर्ग का आयोजन प्रधानाचार्य श्रीमान राम तीरथ यादव जी के कुशल निर्देशन में हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के चरणों में पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात किया गया। वन्दना सत्र में उपस्थित अतिथि महानुभावों में श्रीमान राजेन्द्र सिंह जी (संकुल प्रमुख), श्रीमान नीरज रस्तोगी जी (एनटीपीसी), श्रीमान सुरेन्द्र सिंह जी (एल.आई.सी.), श्रीमान वीरेन्द्र वर्मा जी (प्रधानाचार्य), श्रीमान तेज प्रताप सिंह जी (प्रधानाचार्य), श्रीमान नरसिंह नारायण जी (प्रधानाचार्य) आदि संकुल के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य बन्धुओं की गरिमामई उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य जी द्वारा आए हुए अतिथि महानुभावों को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस एकदिवसीय सेवक सेविका वर्ग में अम्बेडकर नगर संकुल के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए कर्मचारी बन्धु व बहनें रहीं। प्रथम सत्र

में प्रमुख वक्ता के रूप में श्रीमान सुरेन्द्र सिंह जी व श्रीमान नीरज रस्तोगी जी ने सभी को सेवक- सेविका विकास वर्ग के बारे में बताया। द्वितीय सत्र में प्रमुख वक्ता श्रीमान राजेन्द्र सिंह जी (संकुल प्रमुख) द्वारा सभी सेवकों को उनके विकास हेतु प्रान्त द्वारा चलाए जा रहे सेवक-सेविका वर्ग से अवगत कराते हुए बताया कि इस विकास वर्ग का प्रमुख लक्ष्य सभी के व्यक्तित्व का विकास करना है । जिससे सभी अपने-अपने विद्यालय में श्रद्धा व निष्ठा के साथ कार्य करें । तृतीय सत्र में प्रमुख वक्ता श्रीमान दीपक चन्देल जी (प्रधानाचार्य) रहें। वहीं दोपहर के भोजन के उपरान्त समापन सत्र में प्रमुख वक्ता श्रीमान तेज प्रताप जी (प्रधानाचार्य) रहें। आपके द्वारा बताया गया कि सेवक-सेविका का विद्यालय विकास में प्रातः काल से ही विशेष भूमिका होता है, क्योंकि विद्यालय का समस्त क्रियाकलाप आपके ही द्वारा संपन्न होता है। विद्यालय की पठन-पाठन तथा व्यवस्थित नियमों हेतु विद्यालय के प्रबन्ध समिति की भी बैठक हुई जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम का समापन श्रीमान नरसिंह नारायण जी द्वारा आए हुए समस्त अतिथि महानुभावों व सेवक-सेविकाओं के प्रति आभार ज्ञापन कर किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य-आचार्या बहनें उपस्थित रहीं।

सेवक-सेविका विकास वर्ग का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत टांडा (सं.) विद्या भारती द्वारा संचालित विवेकानन्द शिशुकुंज इण्टर कॉलेज विद्युत नगर में प्रान्तीय योजनानुसार एकदिवसीय सेवक-सेविका विकास वर्ग का आयोजन प्रधानाचार्य राम तीरथ यादव के कुशल निर्देशन में हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम मां सरस्वती के चरणों में पुष्पार्चन व दीप प्रज्वलन के पश्चात किया गया। वन्दना सत्र में उपस्थित अतिथि महानुभावों में राजेन्द्र सिंह संकुल प्रमुख), नीरज रस्तोगी (एनटीपीसी), सुरेन्द्र सिंह (एल.आई.सी.), प्रधानाचार्यों में वीरेन्द्र वर्मा, शतेज प्रताप सिंह, नरसिंह नारायण उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा आए हुए अतिथि महानुभावों को अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस एकदिवसीय सेवक सेविका वर्ग में अम्बेडकर नगर संकुल के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए कर्मचारी बन्धु व बहनें रहीं। प्रथम सत्र में प्रमुख वक्ता के रूप में शसुरेन्द्र सिंह व नीरज रस्तोगी ने सभी को सेवक-सेविका विकास वर्ग के बारे में

बताया। द्वितीय सत्र में प्रमुख वक्ता राजेन्द्र सिंह (संकुल प्रमुख) द्वारा सभी सेवकों को उनके विकास हेतु प्रान्त द्वारा चलाए जा रहे सेवक-सेविका वर्ग से अवगत कराते हुए बताया कि इस विकास वर्ग का प्रमुख लक्ष्य सभी के व्यक्तित्व का विकास करना है । जिससे सभी अपने-अपने विद्यालय में श्रद्धा व निष्ठा के साथ कार्य करें। तृतीय सत्र में प्रमुख वक्ता दीपक चन्देल (प्रधानाचार्य) रहें। वहीं दोपहर के भोजन के उपरान्त समापन सत्र में प्रमुख वक्ता तेज प्रताप (प्रधानाचार्य) रहें। आपके द्वारा बताया गया कि सेवक-सेविका का विद्यालय विकास में प्रातः काल से ही विशेष भूमिका होता है, क्योंकि विद्यालय का समस्त क्रियाकलाप आपके ही द्वारा संपन्न होता है। विद्यालय की पठन-पाठन तथा व्यवस्थित नियमों हेतु विद्यालय के प्रबन्ध समिति की भी बैठक हुई जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया। कार्यक्रम का समापन नरसिंह नारायण द्वारा आए हुए समस्त अतिथि महानुभावों व सेवक-सेविकाओं के प्रति आभार ज्ञापन कर किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य-आचार्या बहनें उपस्थित रहीं।

श्रद्धा और निष्ठा के साथ करें कार्य

विवेकानंद शिशु कुंज इंटर कॉलेज में कर्मचारियों को किया गया प्रशिक्षित

संवाद न्यूज एजेंसी

[illegible]

बाराबंकी संकुल

शुभी वर्मा को टैबलेट देकर सम्मानित किया|

प्रतिभा सम्मान समारोह तहसील सभागार फतेहपुर बाराबंकी में कुर्सी विधानसभा के यशस्वी विधायक आदरणीय सकेंद्र प्रताप वर्मा जी के द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ,हाई स्कूल की वरीयता सूची में सातवांस्थान प्राप्त करने वाली सरस्वती शिशु मंदिर इण्टर कालेज की छात्रा शुभीवर्मा को टैबलेट देकर सम्मानित किया ।।

बाराबंकी जिले का नाम रोशन किया बहन शुभी वर्मा ने

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कालेज फतेहपुर बाराबंकी की बहन शुभी वर्मा ने माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा 2025 में प्रदेश में सातवां स्थान बनाया बहन शुभी ने केवल अपने विद्यालय का ही नही बल्कि फतेहपुर क्षेत्र का और अपने जिले का भी नाम रोशन किया है। लोकभवन लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह मे बहन को एक लाख रुपये की चेक और टेबलेट दे कर सम्मानित किया।

उन्नाव संकुल

योग दिवस से पूर्व हुआ योग एवं आसनों का पूर्वाभ्यास

उन्नाव| स0वि0म0इ0का0गोपीनाथ पुरम शुक्लागंज उन्नाव में 21 जून को योग दिवस के लिए 17 व 18 जून को नियमित रूप से योग एवं आसनों का अभ्यास विद्यालय के क्रीड़ा प्रमुख श्री रमेश कुमार सिंह द्वारा कराया जा रहा है । इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य व आचार्याओं ने अभ्यास किया । विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री श्रवण कुमार सिंह जी ने कहा कि 21 जून को योग दिवस विशाल जन समूह के साथ सम्पन्न किया जाएगा । इसमें नगर के गणमान्य लोग ,प्रबन्ध समिति के लोग , अभिभावक , भैया बहिन , संघ के कार्यकर्ता , विश्व हिंदू परिषद व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे ।

लखनऊ संकुल

योगाभ्यास

लखनऊ| दिनांक 18 जून 2025 को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज निराला नगर लखनऊ में सभी आचार्य एवं आचार्या बहनों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री दुर्गेश चंद्र पांडे जी के नेतृत्व में योगाभ्यास किया, जिसमें योगाचार्य श्री ऋषिकांत जी ने पद्मासन, उत्कटासन, ताड़ासन और वृक्षासन का अभ्यास करवाया। अमृत विशाल कक्ष में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मस्तिष्क विकास सत्र में किस प्रकार अवचेतन मस्तिष्क का उपयोग करते हुए हम अपनी दक्षता और योग्यता को बढ़ा सकते हैं डेमो के साथ यह बताया गया। इस कार्यक्रम मे विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्रीमान दुर्गेश चंद्र पांडे जी ने आई हुई अतिथि महोदया सुुश्री गरिमा मिश्रा जी का परिचय करवाया जो की एक जानी-मानी हिप्नोथैरेपिस्ट- एक्सपर्ट हैं। गरिमा मिश्रा जी का बड़े ही विस्तृत ढंग से और जीवंत तथा रोचक और ज्ञानवर्धक मस्तिष्क विकास का एक सत्र सभी आचार्य एवं आचार्या बहनों के लिए चला। जिसमें सभी आचार्य एवं आचार्या बहनों ने बड़े मनोयोग से भाग लिया। आभार विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री दिनेश कुमार जी ने दिया।

सीतापुर संकुल

बिसवां सीतापुर| सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां सीतापुर के विद्यालय में योग दिवस की तैयारी हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रामानुज चौरसिया जी के दिशा निर्देशन में शारीरिक दक्षता वर्ग का कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख आचार्य श्रीमान महेश कुमार मिश्रा जी द्वारा 05तिष्ठ योग साथ में पद्मासन ,सुखासन ,पर्वत आसन का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया।

fire
wood
earth
water
metal

विद्या भारती

अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैवकुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित होकर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो।

भारतीय शिक्षा समिति, उ.प्र.

अवध प्रान्त

सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ